भाकृअनुप–केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल–132001

केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में फसलों में संतुलित उर्वरकों के प्रयोग के विषय में प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

आज संस्थान में देश की स्वतन्त्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में फसलों में संतुलित उर्वरकों के प्रयोग के लिये एक दिवसीय प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रिंडल (करनाल) गाँव के लगभग 35 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। किसानों को उपज बढ़ाने के लिये मृदा परीक्षण के लिये नमूने लेने की विधि, उर्वरकों की संतुलित मात्रा का प्रयोग करना, ड्रिप द्वारा उर्वरक देना, तथा जैविक संसाधनों का प्रयोग करने के बारे में जानकारी दी गई। मृदा की उर्वरता के बढ़ाने के लिये दालों की अन्तः खेती, फसल अवशेष प्रबंधन, और विभिन्न मृदाओं, जलों और पोषक तत्वों के बारे में जानकारी दी गई। किसानों को विभिन्न माध्यमों से सूचनाएँ और ज्ञान प्राप्त करने के संदर्भ में जानकारी भी दी गई।

अपने संबोधन में संस्थान के निदेशक डा. पी.सी. शर्मा ने संस्थान की शोध गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि मृदा परीक्षण, मृदा स्वास्थ्य, फसलों में संतुलित उर्वरकों का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने किसानों को कृषि में कम लागत में अधिक उपज लेने के बारे में भी जानकारी दी। जिससे किसानों को अधिकतम लाभ होता है।

डा. आर. के. यादव (प्रभागाध्यक्ष, कार्यवाहक) ने किसानों को मृदा के नमूने लेने व मृदा स्वास्थ्य कार्ड के बारे में जानकारी दी। डा. ए. के. राय, प्रधान वैज्ञानिक ने संतुलित उर्वरकों का प्रयोग, फसल अवशेष प्रबंधन और मृदा की क्षमता बढ़ाने हेतु अन्य जैविक संसाधनों के प्रयोग के बारे में बताया। डा. सुभाषीश मंडल, प्रधान वैज्ञानिक ने किसानों को खेती के बारे में जागरूकता, नीतियों के बारे में कार्य क्षमता वृद्धि करने की जानकारी दी।

इस कार्यक्रम का संचालन डा. रंजय कुमार सिंह, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि प्रसार) ने किया। यह कार्यक्रम कोविड–19 प्रोटोकोल की अनुपालना करते हुए आयोजित किया गया।